https://www.bsebstudy.com

Sl Code: S-5

डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एजुकेशन (D. El. Ed.), परीक्षा – 2019

सम्प्रेषण के तरीके

(Techniques of Communication)

कुल प्रश्नों की संख्या: 17
Total No. of Questions: 17

कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 03
Total No. of Printed Pages: 03

(समय: 3 घंटे)
[Time: 3 Hours]

(पूर्णांक: 70)
[Full Marks: 70]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश:–

Instructions for the Candidates:

1. *परीक्षार्थी यथा सम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।*

   Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

2. *यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, **खण्ड – अ** एवं **खण्ड – ब**।*

   *This question paper is divided into two sections – **Section - A** and **Section - B**.*

3. *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

   All questions are compulsory.

4. ***खण्ड – अ** में 12 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। (प्रत्येक के लिए **5 अंक** निर्धारित हैं), जिनमें से **किसी 8** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। **(लगभग 75– 100 शब्दों में उत्तर दीजिए)**।*

   *In **Section - A, there are 12 short answer type questions** (each carrying **5 marks**), out of which **any 8** questions are to be answered. **(Answer in 75 - 100 Words).***

5. ***खण्ड – ब** में **5 दीर्घउत्तरीय प्रश्न** हैं। (प्रत्येक के लिए **10 अंक** निर्धारित हैं), जिनमें से **किसी 3** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। **(लगभग 200– 250 शब्दों में उत्तर दीजिए)**।*

   *In **Section - B, there are 5 Long answer type questions** (each carrying **10 marks**), out of which **any 3** questions are to be answered. **(Answer in 200 - 250 Words).***

6. *किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।*

   Use of any electronic appliances is strictly prohibited.

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

खण्ड – अ

लघुउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लगभग 75–100 शब्दों में दें। इस खण्ड में 12 प्रश्न दिए गए हैं। परीक्षार्थी किन्हीं 8 प्रश्नों का उत्तर दें। सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं। (8×5=40)

1. बच्चों में सम्प्रेषण कौशल के विकास में प्रदर्शन कला का क्या महत्व है?
2. सम्प्रेषण को प्रभावित करने वाले दो कारकों के बारे में वर्णन करें।
3. प्रदर्शन कला के प्रकारों के बारे में उल्लेख करें।
4. शिल्प कला के स्वरूप एवं महत्व के बारे में वर्णन करें।
5. 'विभिन्न प्रकार की कलाएँ सम्प्रेषण का विकास करती हैं'। इस कथन को स्पष्ट करें।
6. नाटक के मंचन के पूर्व आप नाटक की तैयारी के लिए क्या–क्या करेंगे?
7. किसी कहानी को कला के माध्यम से सम्प्रेषण को ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है। इस कथन को स्पष्ट करें।
8. हाव–भाव के साथ शाब्दिक सम्प्रेषण क्यों आवश्यक है?
9. किसी एक सामाजिक समस्या/परिस्थिति का उदाहरण देते हुए अभिनय के लिए पात्रों का संयोजन किस प्रकार करेंगे?
10. किसी प्रदर्शन कला का एक उदाहरण देते हुए उसके मूल्यांकन के संकेतक के बारे में वर्णन करें।
11. मिट्टी से मूर्तियाँ एव बर्तन कैसे बनायेंगे?
12. किसी एक कहानी को बच्चों के बीच संवाद के रूप में गतिविधि किस प्रकार करायेंगे?

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

खण्ड – ब

दीर्घउत्तरीय प्रश्न का उत्तर लगभग 200–250 शब्दों में दें। इस खण्ड में 5 प्रश्न दिए गए हैं। परीक्षार्थी किन्हीं 3 प्रश्नों का उत्तर दें। सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं। (3×10=30)

13. दृश्य कला एवं प्रदर्शन कला सम्प्रेषण को किस प्रकार अभिव्यक्त करता है? उदाहरण के साथ वर्णन करें।

14. प्रदर्शन कला के आयोजन में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में उल्लेख करें।

15. विभिन्न नाट्य विधाओं पर आधारित बच्चों के लिए खेल का निर्माण किस प्रकार करेंगे?

16. पाठ्य पुस्तक के किसी एक विषय–वस्तु का उदाहरण देते हुए शिक्षण अभ्यास के लिए कला को गतिविधि के रूप में जोड़ते हुए सीखने की योजना (पाठ योजना) की रूप–रेखा का उल्लेख करें।

17. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें –

(क) सम्प्रेषण की विधाएँ

(ख) नाटक और नुक्कड़ नाटक में अन्तर

(ग) शास्त्रीय नृत्य और सृजनात्मक नृत्य में अन्तर

(घ) कला में मूल्यांकन के उपागम एवं तकनीक

———//———

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com

https://www.bsebstudy.com